सांसदों ने श्री जी.वी. मावलंकर को पुष्पांजलि अर्पित की

...

नई दिल्ली; 27 नवंबर, 2022: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन के सेंट्रल हॉल में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्री जी वी मावलंकर की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा; संसद सदस्यों और पूर्व संसद सदस्यों ने भी इस अवसर पर संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्री जी वी मावलंकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

लोक सभा और राज्य सभा के महासचिव श्री उत्पल कुमार सिंह और श्री पी.सी. मोदी और दोनों सचिवालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी श्री मावलंकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले विशिष्टजनों को लोक सभा सचिवालय द्वारा हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित श्री जी.वी. मावलंकर के जीवनवृत्त वाली पुस्तिका भेंट की गई।

एक प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, गहन संसदीय अनुभव के धनी और संसदीय पद्धतियों तथा प्रक्रियाओं के ज्ञाता, श्री जी.वी. मावलंकर ने अपना विधायी जीवन 1937 में तत्कालीन बम्बई विधान सभा के लिए निर्वाचन और तदुपरांत विधान सभा अध्यक्ष हेतु चयन के साथ आरंभ किया। वह 1946 तक इस पद पर रहे। तत्पश्चात् श्री मावलंकर जनवरी 1946 में छठी केन्द्रीय विधान सभा के सदस्य तथा अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए। वह 14-15 अगस्त, 1947 की मध्य रात्रि तक केन्द्रीय विधान सभा के अध्यक्ष रहे और उन्होंने 17 नवम्बर, 1949 से संविधान सभा (विधायी) की अध्यक्षता की। 26 नवम्बर, 1949 को स्वतंत्र भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने के साथ ही श्री मावलंकर अंतरिम संसद के अध्यक्ष बने और प्रथम लोक सभा के गठन तक इस पद पर रहे। श्री मावलंकर 15 मई, 1952 को प्रथम लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए और 27 फरवरी, 1956 को अपने निधन तक इस पद पर रहे।